भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA | DELHI | 27 NOVEMBER 2025

11-29 रनवे से उड़ान भर रहा ट्रेड फेयर का विमान

एएआई पवेलियन में देश के बड़े एयरपोर्ट, एआई-एटीसी और फायर रेस्क्यू को बारीकी से समझ रहे युवा

आदित्य पाण्डेय

नई दिल्ली। व्यापार मेले के हॉल-1 में भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण (एएआई) पवेलियन युवाओं की बड़ी पसंद बन गया है। यहां तैयार आईजीआई एयरपोर्ट के 11-29 नंबर रनवे और उस पर दौड़ता ट्रेड फेयर का विमान लोगों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है। देश के प्रमुख एयरपोर्टों के विजुअल, एआई-एटीसी, फायर रेस्क्यू उपकरण और कॅरिअर काउंसलिंग ने पवेलियन को मेले का हॉटस्पॉट बना दिया है।

एएआई के पवेलियन में दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के तीन रनवे 09-27, 10-28 और 11-29 की जानकारी दी जा रही है जिससे आम लोग और खासकर छात्र काफी प्रभावित दिखाई दे रहे हैं। पुणे, पटना, अयोध्या, तुत्तिकोरिन, पोर्ट ब्लेयर और जबलपुर एयरपोर्ट का रियलिस्टिक डिजिटल विजुअल देखने के लिए लोगों की लाइन लगी रही। इसके अलावा तिरुचिरापल्ली और भुवनेश्वर एयरपोर्ट के सुंदर मॉडल भी आकर्षण का बड़ा केंद्र हैं जहां लोग सेल्फी लेते दिखे।

एविएशन फायर सर्विस सेक्शन खास : एविएशन फायर सर्विस सेक्शन भी पवेलियन की खास पहचान बन गया है। यहां एयरक्राफ्ट फायर फाइटिंग और रेस्क्यू में इस्तेमाल होने वाले कई महत्वपूर्ण उपकरण डिस्प्ले किए गए हैं। इनमें पावर ड्रिवन सा, हाइड्रोलिक जनरेटर, हाइड्रोलिक स्प्रेडर, कटर, बीएस सेट, टेलीस्कोपिक जैक और एएफटी एक्सटिंग्युइशर शामिल हैं। फायर फाइटर्स की ओर से इस्तेमाल किया जाने वाला प्रोक्सीमेट्री सूट भी दिखाया गया है जिसे पहनकर आग के बिल्कुल नजदीक तक जाया जा सकता है। यह बच्चों और युवाओं के लिए बेहद रोमांचक अनुभव बन रहा है।

व्यापार मेले में आईजीआई एयरपोर्ट का 11-29 रनवे। अमर उजाला

- **एविएशन में कॅरिअर की काउंसलिंग :** एविएशन में कॅरिअर देख रहे युवाओं के लिए एएआई ने पवेलियन में काउंसलिंग की व्यवस्था की है। सिविल एविएशन में नौकरी और प्रशिक्षण के अवसरों के बारे में विशेषज्ञ मौके पर ही जानकारी दे रहे हैं। वहीं, क्विज कॉर्नर भी लोगों को खूब पसंद आ रहा है। यहां एएआई से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तुरंत जवाब मिलता है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल समझना आसान

पवेलियन में एआई आधारित एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) का विजुअल भी दिखाया गया है जिसमें रनवे, टैक्सीवे और एयरक्राफ्ट मूवमेंट की मॉनिटरिंग कैसे होती है यह समझाया जाता है। इसके अलावा पिक्ली अवतार एआई का सेक्शन युवाओं का सबसे पसंदीदा बन गया है। लोग यहां अपना एनिमेटेड अवतार बनवाकर सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं।

टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और कॅरिअर एक साथ

एएआई अधिकारियों के मुताबिक, इस बार पवेलियन में टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और कॅरिअर तीनों को एक साथ दिखाने पर फोकस किया गया है। इसी वजह से यह मेले में सबसे ज्यादा विजिट किए जाने वाले पवेलियनों में शामिल हो गया है।

एएआई पवेलियन में एविएशन फायर सर्विस टूल्स देखते लोग। अमर उजाला

तिरुचिरापल्ली एयरपोर्ट का मॉडल देखते लोग। अमर उजाला

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 27 NOVEMBER 2025

हवाई अड्डे पर आपातकालीन सुरक्षा के लिए दो फायर स्टेशन को मंजूरी

यमुना सिटी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा यमुना सिटी में सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दो नए पुलिस फायर स्टेशनों के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। सीएम और कैबिनेट की बैठक में यमुना सिटी के सेक्टर-18 और सेक्टर-32 में दोनों फायर स्टेशन बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जल्द ही कॉमर्शियल फ्लाइटों का संचालन शुरू होना है। साथ ही लंबे समय से आपातकालीन परिस्थितियों के लिए यमुना सिटी क्षेत्र में फायर स्टेशनों को बनाए जाने की जरूरत थी। इसे लेकर गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से यमुना सिटी के सेक्टर-18 और सेक्टर-32 में फायर स्टेशनों के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया था।

मुख्यमंत्री के निर्देशन पर उत्तर प्रदेश शासन ने इस प्रस्ताव पर त्वरित संज्ञान लेते हुए यमुना सिटी क्षेत्र के सेक्टर-32 एवं सेक्टर-18 में दो नए पुलिस फायर स्टेशन स्थापित करने के लिए आवश्यक भूमि उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को हस्तांतरित कर दी है। दोनों फायर स्टेशनों के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। इसके साथ ही फायर स्टेशनों के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक मैनपावर की स्वीकृति भी शासन की ओर से प्रदान कर दी गई है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह की पहल और अनुशंसा के परिणामस्वरूप दोनों फायर स्टेशन जिले को मिले हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 25 NOVEMBER 2025

दिल्ली एयरपोर्ट: हादसा टला, गलत रनवे पर उतरी फ्लाइट

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को बड़ा विमान हादसा टल गया। काबुल से दिल्ली आ रही अरियाना अफगान एयरलाइंस की फ्लाइट गलत रनवे पर लैंड कर गई। जबकि वहां से एक दूसरी फ्लाइट टेकऑफ कर रही थी। पायलट के अनुसार विमान के 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' ने काम करना बंद कर दिया था। डीजीसीए जांच कर रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 NOVEMBER 2025

आज मुख्यमंत्री योगी करेंगे मेदांता अस्पताल का शुभारंभ

- जेवर एयरपोर्ट की प्रगति पर करेंगे बैठक
- नहीं होगा भंगेल एलिवेटेड व जंगल ट्रेल का औपचारिक उद्घाटन

नोएडा, 26 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कामकाज की प्रगति का गुरुवार को जायजा लेंगे। वह अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे। इसके बाद नोएडा के सेक्टर-50 में बने मेदांता अस्पताल का शुभारंभ करेंगे। मेदांता में दोपहर करीब दो बजे कार्यक्रम होगा। मेदांता अस्पताल करीब 300 बेड का बनाया गया है। 100 बेड आईसीयू के है। भविष्य में अस्पताल 550 बेड का होगा।

इससे पहले गाजियाबाद के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि डीएससी रोड पर बनी भंगेल एलिवेटेड और नोएडा जंगल ट्रेल का उद्घाटन करेंगे। लेकिन कार्यक्रम में बदलाव के बाद अस्पताल के उद्घाटन के बाद वो दिल्ली रवाना हो जाएंगे। इस बीच उनकी जन प्रतिनिधियों के साथ होने वाली बैठक भी निरस्त कर दी गई है।

तैयार किया गया हेलीपेड

सीएम का हैलीकाप्टर जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर नोएडा के सेक्टर-113 में बने हेलीपेड पर उतरेगा। यहां से उनका काफिला सड़क मार्ग से मेदांता अस्पताल जाएगा। यहां अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। साथ ही डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ के साथ बातचीत करेंगे। सड़क मार्ग से वापस हेलीपेड आएंगे यहां से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। एयरपोर्ट का प्रथम चरण के तहत 1334 हेक्टेयर में चल रहा निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इनमें रनवे, टैक्सीवे, टर्मिनल व पार्किंग समेत अन्य सुविधा शामिल हैं। बैगेज हैंडलिंग, बोर्डिंग, सिक्योरिटी स्क्रीनिंग और यात्री प्रबंधन से जुड़े तकनीकी परीक्षण भी पूरे हो चुके हैं, जोकि जांच में सफल भी पाए गए थे। गुरुवार को डीजीसीए, बकास, यूपी नागरिक उड्डयन विभाग, नायल, सीआईएसएफ और एयरलाइंस के अधिकारी उच्चस्तरीय बैठक कर अन्य तैयारियों को परख चुके हैं।

सीएम के दौरे पर चाक चौंबंद होंगे सुरक्षा के इंतजाम

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले के आगमन पर गुरुवार को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होंगे। दो जगहों पर होने वाले उनके कार्यक्रम के लिए 1200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। दो कंपनी पीएसी भी सुरक्षा में तैनात रहेंगी। कार्यक्रम स्थल के चारों तरफ सुरक्षा का मजबूत घेरा रहेगा। फायर ब्रिगेड की टीम वहां मौजूद रहेंगी। डीसीपी मुख्यालय रवि शंकर निम की ओर से यह जानकारी दी गई। सीएम की सुरक्षा में करीब पांच सौ पुलिसकर्मी गैरजनपद से भी पहुंचे हैं। कार्यक्रम को लेकर बुधवार को पुलिस अधिकारियों की लगातार बैठकें हुई और सुरक्षा प्लान को फुलप्रूफ बनाया गया। वहीं मुख्यमंत्री दौरे को लेकर गुरुवार को कार्यक्रम स्थल के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन भी रहेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ वृहस्पतिवार को नोएडा व ग्रेटर नोएडा के दौरे पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए कई डीसीपी और एडिशनल डीसीपी की भी ड्यूटी लगाई गई है। 30 से अधिक इंस्पेक्टर को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम स्थल व आसपास के इलाकों में पुलिस की तैनाती वृहस्पतिवार सुबह की जाएगी। बुधवार को भी पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने सेक्टर-50 स्थित निजी अस्पताल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बैठकों का दौर देर रात तक चलता रहा। सीसीटीवी कैमरों की मदद से जिले में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। ड्रोन कैमरे का भी पुलिस इस्तेमाल करेगी। सुरक्षा की तैयारियों को बुधवार शाम अधिकारियों ने अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री के नोएडा-ग्रेटर नोएडा के प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है।

कार्यक्रम स्थल के आसपास रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

मुख्यमंत्री की टाइमलाइन

- 2 : 30 पर जेवर एयरपोर्ट गौतमबुद्धनगर
- 2 : 35 पर हेलीपेड सेक्टर-113 नोएडा
- 2 : 40 पर हेलीपेड सेक्टर-113
- 2 : 50 पर मेदांता अस्पताल सेक्टर-50 नोएडा
- 2 : 50 से 3 बजकर 40 मिनट तक अस्पताल का उद्घाटन
- 3 : 40 पर अस्पताल से प्रस्थान

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 27 NOVEMBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन की आज तय हो सकती है तिथि

जासं, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बृहस्पतिवार का दिन बेहद अहम है। एयरपोर्ट के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके उद्घाटन की तिथि तय कर सकते हैं। करीब एक माह में नोएडा एयरपोर्ट का मुख्यमंत्री का यह दूसरा दौरा है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी में बुधवार को अधिकारी दिन भर व्यस्त रहे। प्राधिकरण से जुड़े किसानों के मुद्दों, घर खरीदारों को फ्लैट पर कब्जा मिलने में देरी को लेकर मुख्यमंत्री से संभावित सवालों के जवाब तलाशने में अधिकारी जुटे रहे। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार दोपहर को हिंडन एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर के जरिये नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण तय समय में पूरा न होने से उद्घाटन को लेकर कई बार तिथि बदलनी पड़ी है। मुख्यमंत्री ने अक्टूबर में एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान नवंबर में कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए साफ कर दिया था कि इसके बाद ही उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री से समय मांगा जाएगा। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने दो बार एयरपोर्ट पर समीक्षा बैठक कर कार्य को जल्द पूरा कराने की जिम्मेदारी संभाली। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और महानिदेशालय नागर विमानन की जांच पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बृहस्पतिवार को नोएडा एयरपोर्ट का निरीक्षण बेहद अहम हो गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 25 NOVEMBER 2025

जयपुर एयरपोर्ट पर बैगेज बैल्ट में तकनीकी खामी से परेशानी

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में बैगेज बैल्ट में तकनीकी खराबी आने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। रविवार से बैल्ट आंशिक रूप से प्रभावित है, जिसके कारण चैक-इन बैगेज हैंडलिंग की गति धीमी पड़ी हुई है। हालांकि इस खराबी का फ्लाइट संचालन पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है, लेकिन यात्रियों को चैक-इन काउंटर्स पर सामान्य से अधिक समय लग रहा है। एयरपोर्ट प्रशासन ने इस स्थिति को लेकर एडवाइजरी जारी की है और यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचे ताकि चैक-इन की प्रक्रिया में होने वाली देरी से बचा जा सके। प्रशासन का कहना है कि तकनीकी टीम बैल्ट की खराबी को दूर करने में जुटी है और जल्द ही स्थिति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यात्रियों को चैक-इन काउंटर्स पर लग रहा अधिक समय

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

GREATER KASHMIR SRINAGAR 25 NOVEMBER 2025

LG Kavinder reviews progress of eco-smart new airport terminal at Leh

GK News Service
Leh, Nov 24

Lieutenant Governor of Ladakh, Kavinder Gupta, on Sunday conducted an on-site inspection of the upcoming New Terminal Building at Kushok Bakula Rimpochee Airport, Leh, to review construction progress and assess the integration of modern, eco-friendly technologies.

The Lt Governor expressed satisfaction over the pace of work and praised the project team for adopting advanced green features, including a first-of-its-kind geothermal temperature-regulation system, extensive solar power utilisation and eco-sensitive architecture designed specifically for Ladakh's high-altitude conditions. He said the new terminal is poised to become a benchmark for sustainable infrastructure in Himalayan regions.

Gupta said the terminal, once completed, will significantly boost passenger handling capacity and strengthen Ladakh's air connectivity, while also reflecting the region's unique cultural identity. He appreciated the efforts to incorporate traditional Ladakhi motifs and design elements into the structure, ensuring that the terminal blends modern amenities with the region's heritage.

He emphasised that the project aligns with Ladakh's broader vision of becoming a carbon-neutral Union Territory and said the green features of the new airport terminal underline the administration's commitment to innovation, environmental protection and high-quality infrastructure development.

Reviewing key components — including passenger amenities, safety systems, terminal layout and airside works — the Lt Governor urged officials to maintain momentum and ensure the project is completed within the stipulated timeline to meet Ladakh's increasing travel demand.

Project Director A. Umashankar briefed the Lt Governor on the terminal's upcoming operational features, such as aerobridges, automated systems, expanded circulation areas and additional departure gates. He said the terminal is slated for completion by April–May 2026.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 27 NOVEMBER 2025

मुख्यमंत्री योगी एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे

नोएडा, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को करीब तीन घंटे गौतमबुद्ध नगर जिले में रहेंगे। वह जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। साथ ही नोएडा में एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को देखते हुए वाहनों के रास्तों में बदलाव किया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है। अगले महीने इसके उद्घाटन की तैयारियां की जा रही हैं। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री एयरपोर्ट के कामकाज की समीक्षा करने आ रहे। इससे पहले 25 अक्तूबर को उन्होंने एयरपोर्ट के कामकाज का जायजा लिया था।

दोपहर 12.50 बजे नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे : मुख्यमंत्री सुबह 10:55 बजे गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेंगे। आईटीएस कॉलेज, मुरादनगर हेलीपैड जाएंगे। वहां से कार से 11.20 बजे मुरादनगर में तरुण सागर तीर्थ जाएंगे। करीब एक घंटे तक भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति और मंदिर स्थापना कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12.50 बजे गौतमबुद्ध नगर के जेवर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां वह तैयारियों का जायजा लेंगे।

शाम चार बजे तक रहेगा डायवर्जन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अलग अलग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। ऐसे में दोपहर 12 से शाम चार बजे तक जरूरत पड़ने पर वाहनों के रास्तों में बदलाव किया जाएगा। यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी, फिल्म सिटी, महामाया फ्लाईओवर, जीरो प्वाइंट, सोरखा सेक्टर 113 से 79 चौक, सेक्टर 78 तिराहा, पृथला गोलचक्कर से सेक्टर 71 अंडरपास, बरौला हनुमान मंदिर यूटर्न, सेक्टर- 60 अंडरपास और एमपी दो एलिवेटेड रोड पर जरूरत पड़ने पर करीब 25 मिनट तक वाहनों के रास्तों में बदलाव किया जाएगा। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि हर पॉइंट पर व्यवस्था संभालने के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

मंदिर का उद्घाटन होगा

मुरादनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गांव बसंतपुर सैतली स्थित श्री तरुण सागरम् पारसनाथ अतिशय तीर्थ धाम में गुफा मंदिर का उद्घाटन करेंगे। कमिश्नरेट पुलिस ने दस थाना क्षेत्रों को नो-ड्रोन/अस्थायी रेड जोन घोषित किया है। वहीं, पुलिस ने यातायात डायवर्जन प्लान जारी किया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 27 NOVEMBER 2025

सुरक्षा देश के 15 एयरपोर्ट पर हाईटेक एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने की तैयारी

अब और सुरक्षित होगा आपका हवाई सफर

नई दिल्ली, लोकसत्य

देश के सभी बड़े कमर्शियल एयरपोर्ट जल्द ही एंटी-ड्रोन सिस्टम से सुरक्षित किए जाएंगे। पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता सहित करीब 15 प्रमुख हवाई अड्डों पर यह तकनीक सक्रिय करने की तैयारी चल रही है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देशों के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा दिया है। दरअसल,यह उन्नत तकनीक केवल रक्षा प्रतिष्ठानों और संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों में ही उपयोग की जाती थी, लेकिन हाल के वर्षों में ड्रोन हमलों के बढ़ते जोखिम को देखते हुए इसे सिविल एविएशन सेक्टर में भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि एंटी-ड्रोन सिस्टम की पहली इंस्टॉलेशन लिस्ट में दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम शामिल है। इसके बाद दूसरे चरण में अहमदाबाद, गुवाहाटी, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों के एयरपोर्ट्स पर भी यह सुरक्षा तकनीक लगाई जाएगी। सरकार के पीछे हाल के वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों को बड़ी वजह बताया जा रहा है। मई 2025 में भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में ड्रोन तकनीक के बड़े और प्रभावी इस्तेमाल ने सरकार को सिविल एविएशन सेक्टर में अतिरिक्त सुरक्षात्मक उपाय लागू करने पर मजबूर किया है। बताया गया है कि इस तकनीक की इंस्टॉलेशन भारतीय कंपनी बीईएल, इजरायल की कुछ फर्मों और यूरोपीय कंपनियों के साथ मिलकर की जा रही है।

एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत ने यह कदम देर से उठाया है, लेकिन दिशा बिल्कुल सही है। अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर जैसे देशों ने अपने बड़े एयरपोर्ट्स पर यह तकनीक पहले ही लगा ली थी। लंदन गैटविक एयरपोर्ट पर एक ड्रोन की वजह से 36 घंटे उड़ानें बंद होने की घटना ने इस सिस्टम की जरूरत साफ कर दी थी। भारत अब ऐसा जोखिम नहीं ले सकता। ड्रोन उड़ाने के नियम सख्त हैं, लेकिन ब्लैक मार्केट में छोटे ड्रोन आसानी से मिल जाते हैं और सुरक्षा एजेंसियों को डर है कि इनका दुरुपयोग हो सकता है। इसीलिए एंटी-ड्रोन सुरक्षा अब भारतीय एयरपोर्ट्स के लिए जरूरी कदम बन गई है।

लेजर इंटरसेप्टर जैसी तकनीकें शामिल होंगी

● विशेषज्ञों के मुताबिक, एयरपोर्ट पर लगाए जाने वाले एंटी-ड्रोन सिस्टम में रडार, रेडियो फ्रीक्वेंसी जैमर, लेजर इंटरसेप्टर और जीपीएस स्पूफिंग जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल होंगी। यह सिस्टम 5 से 7 किलोमीटर के दायरे में उड़ने वाले किसी भी अनधिकृत ड्रोन को पहले पहचान लेगा और फिर उसका नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे सुरक्षित स्थान पर उतार देगा। जरूरत पड़ने पर ये सिस्टम ड्रोन को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता भी रखता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 27 NOVEMBER 2025

India confronts China over airport ordeal: MEA says Arunachal not up for debate

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

India has issued a firm and public rebuke to China after an Arunachal Pradesh woman was stopped and subjected to an 18-hour ordeal at Shanghai's Pudong airport, calling Beijing's conduct unacceptable and reiterating that Arunachal Pradesh remains an "integral and inalienable" part of India.

During the weekly media briefing on Wednesday, Ministry of External Affairs (MEA) spokesperson Randhir Jaiswal made it clear that China's repeated attempts to question India's territorial sovereignty will not alter the truth. "No amount of denial by the Chinese side is going to change this indisputable reality," he said. The MEA confirmed that New Delhi lodged strong protests in both Beijing and New Delhi immediately after the incident. The Indian passenger-Prema Wangjom Thongdok, a valid passport holder from Arunachal Pradesh-was reportedly detained despite being eligible for visa-free transit under Chinese regulations. "We issued a statement yesterday regarding the arbitrary detention of an Indian citizen from Arunachal Pradesh who was transiting through Shanghai on her onward journey to Japan," Jaiswal noted. "Arunachal Pradesh is an integral and inalienable part of India. This fact is self-evident." He emphasised that actions such as these undermine the fragile progress made in stabilising India-China ties since 2024.

"Arbitrary measures involving an Indian citizen are most unhelpful towards the ongoing efforts by both sides to build mutual trust and restore normalcy," Jaiswal said. According to the MEA, the Chinese authorities have yet to provide any convincing explanation for the woman's treatment, which India argues violates international travel norms as well as China's own rules allowing 24-hour visa-free transit for foreign nationals.The passenger had earlier described a humiliating experience in which Chinese immigration personnel questioned her Indian nationality and mocked her documents.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 26 NOVEMBER 2025

₹33 crore weed seized at airport

Mumbai: The customs at Mumbai Airport arrested eight passengers arriving from Bangkok on different flights and seized about 33kg of suspected hydroponic weed, valued at around Rs 33 crore in the illicit market. Apart from narcotics seizures, Customs booked three gold smuggling cases. A total of 608 grams of 24-carat gold, valued at Rs. 73.46 lakh, was recovered from three passengers. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASSAM TRIBUNE GUWAHATI 26 NOVEMBER 2025

Akasa Air to start Dibrugarh-Bagdogra flight from February 2026

A CORRESPONDENT

NEW DELHI, Nov 25: Akasa Air on Tuesday announced its footprint in Assam starting operations from February 1 next year connecting Dibrugarh and Bagdogra.

The airline will operate 3 weekly direct flights between Dibrugarh and Bagdogra along with through-flights between Dibrugarh and Bengaluru via Bagdogra, with no change of aircraft required at Bagdogra.

"Bookings for flights are now open on Akasa Air's website, Android and iOS app and through multiple leading OTAs. This expansion complements Akasa Air's existing operations from Guwahati and further enhances access to India's Northeast region," an official said.

Operation of this route will be the 26th domestic destination of Akasa Air's network.

"Strengthened air access to Dibrugarh will help establish meaningful travel corridors across the region, improve intra-Northeast mobility and support rising demand from both business and leisure travellers," the official said.

Commenting on the expansion, Praveen Iyer, co-founder and chief commercial officer of Akasa Air, said, "Dibrugarh's addition to the Akasa Air network represents an important step in advancing our long-term strategy of strengthening air connectivity across high-potential regions of the country.

"Assam and the Northeast hold significant economic and cultural importance for India, and improved air access is critical to accelerating the region's growth trajectory. With this launch, we continue to build a balanced and future-ready network that improves mobility for travellers, deepens regional integration, and connects emerging centres with India's key economic hubs. We look forward to offering travellers the warm and dependable Akasa experience that has become our hallmark."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 27 NOVEMBER 2025

भास्कर ब्रेकिंग डीजीसीए ने सुरक्षा के लिए नई व्यवस्था दी

कोहरे और धुंध में उड़ान से पहले पांच जांच से गुजरना जरूरी होगा

एम. रियाज हाशमी | नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कोहरे या धुंध में टेक ऑफ व लैंडिंग के दौरान हादसों से बचने के लिए नई व्यवस्था तय की है। इसके तहत जांच के पांच चरण तय किए हैं, जिन्हें विमानन कंपनी, पायलट व एयरपोर्ट को मानना ही होगा। कोहरे व धुंध में उड़ान को तीन श्रेणियों में बांटा है। विजिबिलिटी जितनी कम, मानक उतने ही सख्त।

कैटेगरी-I: दृश्यता 550 मीटर तक यानी सामान्य हो। **कैटेगरी-II:** दृश्यता 300 मीटर रह जाए और **कैटेगरी-III** सबसे कम दृश्यता 100 मीटर या उससे भी कम हो जाए। पांच चरणों की अनुमति प्रक्रिया के तहत जब तक डीजीसीए यह नहीं देख लेगा कि विमान का ऑटो-पायलट, लैंडिंग सिस्टम और सेंसर सही काम कर रहे हैं, तब तक अनुमति नहीं मिलेगी। बता दें, 2023 के सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट के तहत अब तक सिर्फ एक बार अनुमति लेनी होती थी और अनुमति पूरे बेड़े पर लागू होती थी। अब हर विमान और हर पायलट को अलग स्तर पर अनुमोदन की प्रक्रिया से गुजरना होगा। हर पायलट को कैटेगरी-II और III उड़ानों के लिए अलग से विशेष प्रशिक्षण लेना होगा। इसमें सिम्युलेटर में 'कम दृश्यता में लैंडिंग', आपात स्थिति में 'गो-अराउंड' और ऑटो-लैंडिंग सिस्टम की समझ का अभ्यास शामिल होगा।

अनुमति के 5 चरण, जिन्हें मानना जरूरी...

1. विमानन कंपनियों को बताना होगा कि किस विमान और पायलट को यह स्वीकृति चाहिए।
2. प्रशिक्षण, उपकरण व विमान की विस्तृत रिपोर्ट जांच को देनी होगी।
3. डीजीसीए कागज जांचेगा कि सब मानकों के अनुरूप है या नहीं?
4. एयरलाइन को वास्तविक या सिम्युलेटर उड़ान में सुरक्षा व प्रदर्शन साबित करना होगा।
5. सफल परीक्षण के बाद डीजीसीए से ऑपरेशन्स की मंजूरी मिलेगी।

क्यों जरूरी है यह बदलाव? घने कोहरे के कारण देश में हर साल सैकड़ों उड़ानें प्रभावित होती हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोहरे में उड़ान की इजाजत उन्हीं ऑपरेटरों को मिले, जिनके विमान व पायलट तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 26 NOVEMBER 2025

Ethiopian volcano eruption hits flight operations; no impact on air quality

NEW DELHI, DHNS/PTI: Flight operations were impacted on Tuesday as ash clouds from a volcanic eruption in Ethiopia reached parts of India, but it had no impact on the weather or air quality, officials said.

Air India cancelled 13 flights since Monday as seven of its aircraft that had flown through regions affected by the volcanic ash plumes were subject to precautionary checks. These planes were cleared for operations on Tuesday, according to a source.

Ash clouds from the recent eruption of the Hayli Gubbi volcano in Ethiopia impacted flight operations and the India Meteorological Department on Tuesday said the ash plumes are drifting towards China and will move away from India.

On Sunday, a large ash plume that rose to around 14 km (45,000 feet) in the sky. Volcanic ash reached the skies over Gujarat, Delhi-NCR, Rajasthan, Punjab and Haryana on Tuesday.

At Delhi airport, seven international flights were cancelled and more than 10 overseas flights were delayed.

Air India said on 'X' that it was carrying out precautionary checks on those aircraft which had flown over certain geographical locations after the Hayli Gubbi volcanic eruption.

"Following recent volcanic activity in Ethiopia and the resulting ash plume in the surrounding airspace, our flights to and from Jeddah, Kuwait, and Abu Dhabi scheduled for 24th and 25th November 2025 have been cancelled," Akasa Air said in a statement.

The Ministry of Civil Aviation said there is no cause for concern at the moment and that the situation is being monitored closely.

Mrutyunjay Mohapatra, Director General of Meteorology at the IMD, said the impact was limited to higher skies.

"The volcanic ash is being seen only in the upper troposphere and it is affecting flight operations. It has no impact on air quality or weather," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 27 NOVEMBER 2025

भारत में पहली बार विदेशी कंपनी ने खोला विमान इंजन मरम्मत केंद्र

हैदराबाद, प्रेट्र : भारत में पहली बार किसी वैश्विक कंपनी ने विमानों के इंजन की मरम्मत का केंद्र शुरू किया है। देश के विमानन उद्योग के लिए इसे मील का पत्थर माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद स्थित जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क में फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान की नई अत्याधुनिक इकाई एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआइ) का उद्घाटन किया। 45 हजार वर्ग मीटर में फैली यह इकाई लगभग 1,300 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से तैयार हुई है। यहां सालाना 300 एलईएपी इंजनों की सर्विसिंग होगी और 2035 तक पूरी परिचालन क्षमता हासिल कर लेने पर यह एक हजार से अधिक भारतीय तकनीशियनों और इंजीनियरों को रोजगार देगी। यह कदम भारत को विमानन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव लाएगा और आने वाले वर्षों में 15 अरब डालर तक की बचत होगी।

एसएईएसआइ सफ्रान की समर्पित मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा है, जो एयरबस ए320 नियो और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाली एलईएपी (लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन) इंजनों की सर्विसिंग करेगी। एमआरओ क्षमता के विकास से विदेशी मुद्रा की बचत होगी, रोजगार मिलेंगे और भारत को वैश्विक एविएशन हब बनाने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विश्व में तेजी से बढ़ रहे घरेलू विमानन बाजारों में से एक है।

वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ● प्रेट्र

- पीएम ने किया उद्घाटन, 15 अरब डालर तक की बचत, सृजित होंगे हजारों रोजगार
- प्रधानमंत्री ने कहा - भारत विश्व में तेजी से बढ़ रहे घरेलू विमानन बाजारों में से एक

इस अवसर पर उपस्थित नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडु ने कहा कि भारत विमान रखरखाव और मरम्मत के लिए वैश्विक केंद्र बनने को तैयार है।

भारत में राफेल के लिए फाइनल असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध: राफेल फाइटर जेट के लिए इंजन, लैंडिंग गियर तथा इलेक्ट्रिकल सिस्टम सहित कई जरूरी पार्ट्स देने वाले सफ्रान के सीईओ ओलिवियर एंड्रीज ने कहा कि अगर भारतीय वायुसेना फाइटर जेट के लिए और आर्डर देती है तो वह राफेल इंजन और जरूरी पार्ट्स के लिए भारत में एक फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 27 NOVEMBER 2025

Domestic airlines 'misusing' FDTL waivers: ALPA

SEEKING FULL IMPLEMENTATION of the latest flight duty, rest period norms for cockpit crew, the Airlines Pilots Association-India (ALPA) India alleged that the "incomplete" rollout and unwarranted dispensations given by regulator DGCA to the domestic carriers are being used by them as a "loophole" to bypass essential fatigue-mitigation measures.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 26 NOVEMBER 2025

Flights cancelled for checks, ash cloud now beyond India

Jayashree Nandi and Jasjeev Gandhiok
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The volcanic ash cloud from Ethiopia's Hayli Gubbi volcano moved beyond India after sweeping across the country on Tuesday, while airlines said they were conducting safety checks on aircraft that may have flown through the affected airspace, officials said.

Satellite imagery showed the ash plume had exited Indian airspace by 10:30pm, the India Meteorological Department said. The cloud, travelling at altitudes between nine and 15 kilometres, had passed over Gujarat, Rajasthan, the National Capital Region, Uttar Pradesh, Bihar and the northeast before advancing toward China.

Airlines cancelled and delayed dozens of flights as a precautionary measure after the Directorate General of Civil Aviation issued an advisory warning of possible hazards to aircraft engines from volcanic ash. Air India cancelled seven flights on Monday and four more on Tuesday, including Chennai-Mumbai and Hyderabad-Delhi services. The airline said it was conducting checks on aircraft that flew over certain geographical areas after the eruption.

"We are carrying out checks on aircraft that flew over certain geographical locations after the Hayli Gubbi volcanic eruption," Air India said in a statement.

Key air routes across northwest India were affected. IndiGo's Kannur-Abu Dhabi service was diverted to Ahmedabad to avoid the plume.

→P11

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 26 NOVEMBER 2025

Aviation and the ash factor

Airlines on Tuesday grounded some planes for precautionary inspections after ash from Ethiopia's Hayli Gubbi volcano drifted across the Arabian Sea into Indian airspace. While such disruptions are relatively rare, the aviation industry treats volcanic ash with extreme caution — for good reason. Here's why

WHAT ASH CAN DO

The microscopic particles pose unique dangers to jet engines that aren't immediately obvious to passengers or even flight crews.

Volcanic ash consists of tiny fragments of pulverised rock and glass, typically measuring between 0.01mm and 2mm

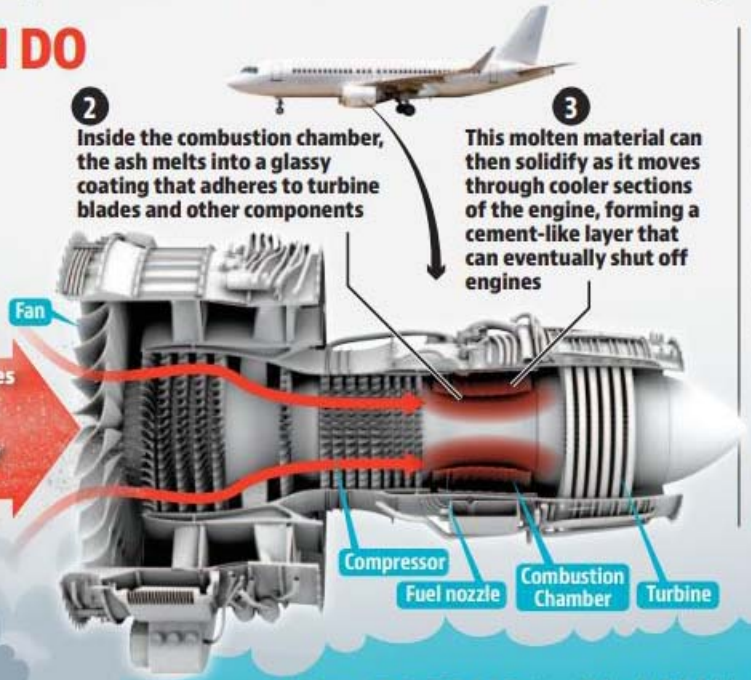

HAS IT HAPPENED BEFORE?

Yes. The most dramatic demonstration of these dangers occurred on June 24, 1982, when British Airways Flight 009 **flew through an ash cloud from Indonesia's Mount Galunggung volcano**.

Captain Eric Moody and his crew were flying a Boeing 747 with **247 passengers** from Kuala Lumpur to Perth when, at 37,000 feet, they noticed St Elmo's fire — a static electricity discharge. Then, one by one, all four Rolls-Royce **engines failed and the aircraft became a glider.** After 15 minutes without power, having **descended to 12,000 feet**, the engines restarted. Enough molten ash had solidified and broken off to allow them to function again.

The aircraft landed safely in Jakarta, though one engine failed again during landing.

Post-flight examination revealed the turbine blade tips had been ground away and the windscreen was so badly frosted that the crew had to land using side windows for visibility.

THE LESSONS LEARNT

The BA 009 incident, along with similar encounters in the 1980s and 1990s prompted major changes in aviation safety protocols.

- Volcanic Ash Advisory Centres (VAACs) that monitor eruptions globally and track ash cloud movement
- Clear protocols for flight route alterations when ash is detected
- Guidelines for safe ash concentration levels (though even low concentrations can cause damage)
- Requirements for engine inspections after potential ash encounters

THE BOTTOM LINE

Modern aviation now has robust systems to manage the risk. Nine VAACs monitor eruptions globally, issuing real-time alerts. Pilots get ash cloud location updates and can reroute in advance. And precautionary checks look for, and rule out, exactly what can go wrong.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 27 NOVEMBER 2025

फ्रांसीसी विमानन कंपनी के इंजन संयंत्र का उद्घाटन

भारत निवेशकों के लिए भरोसेमंद साझेदार बन चुका है : प्रधानमंत्री

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 26 नवंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का आनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आइबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है।

आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। उन्होंने बताया कि विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है। इस चुनौती को देखते हुए सरकार भारत को वैश्विक एमआरओ केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। मोदी ने कहा कि सैफरान का इंजन एमआरओ केंद्र देश में पहली बार किसी वैश्विक विमान कंपनी द्वारा विस्तृत सर्विसिंग के लिए स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी की वैश्विक प्रशिक्षण और ज्ञान हस्तांतरण साझेदारी से आने वाले वर्षों में एमआरओ पारिस्थितिकी को नई दिशा मिलेगी और दक्षिण भारत के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है।

भारत का विमान 'एमआरओ' बाजार 2031 तक चार अरब डालर का होगा : राममोहन नायडू

नई दिल्ली, 26 नवंबर (ब्यूरो)।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि भारत में विमानों के ह्य रखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) का बाजार वर्ष 2031 तक करीब चार अरब डालर होने का अनुमान है। इससे करीब 15 अरब डालर की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकेगी।

नायडू ने हैदराबाद में फ्रांस की विमानन कंपनी, सैफरान के नए इंजन एमआरओ केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, विमानों के रखरखाव गतिविधियों के लिए भारत, एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। सैफरान एअरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज का स्थानीय संयंत्र के अगले साल से परिचालन में आ जाएगा। नायडू ने कहा कि देश के ही भीतर विमानों एवं उसके इंजनों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ गतिविधियां संचालित होने से आने वाले वर्षों में विदेशी मुद्रा में करीब 15 अरब डालर की बचत हो सकेगी। उन्होंने कहा, स्थानीय एमआरओ गतिविधियों से एअरलाइंस की लागत में होने वाली बचत का यात्रियों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 27 NOVEMBER 2025

Safran targets annual India revenue of more than €3 billion by 2030

PTI
feedback@livemint.com
HYDERABAD

Boosting its India presence, French major Safran on Wednesday said its maintenance, repair and overhaul facility for the LEAP engines will be operational in 2026 and also expects to triple its annual revenue in the country to more than 3 billion euros by 2030.

Safran, which is into aerospace, defence and space segments, will also be setting up a dedicated MRO (Maintenance, Repair and Overhaul) facility for the M88 engines powering the Dassault Aviation Rafale fighter jets.

Both facilities will be in Hyderabad.

"The new LEAP engine MRO centre represents a total investment of 200 million euros and will be operational in 2026. The 45,000-square-metre facility will ramp up to a capacity of 300 LEAP shop visits a year and boast a next-generation test bench," the company said in a release.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated the facility through video conferencing on Wednesday.

The facility is the company's largest MRO facility for LEAP engines in the world.

Safran on Wednesday said its maintenance, repair and overhaul facility for the LEAP engines will be operational in 2026.

The MRO facility is for LEAP (Leading Edge Aviation Propulsion) engines that power Airbus A320neo and Boeing 737 MAX planes.

These engines are manufactured by CFM International, an equal joint venture between Safran Aircraft Engines and GE Aerospace. India is CFM's third-largest market, with five Indian carriers operating more than 400 LEAP-powered aircraft and 2,000 engines on order.

The new site will employ more than 250 people at launch and up to 1,100 at full capacity. Also, an on-site training centre will train more than 100 Indian technicians and engineers each year.

Apart from India, Safran has MRO facilities for LEAP engines in Morocco, France, Belgium and Mexico. Besides, GE Aerospace and some airlines have the MRO facilities for these engines.

At a briefing after the inauguration, Andries said the company expects the sourcing of components to be worth €500 million by 2030 from the current level of €100 million.

Also, the company anticipates to have nearly 5,000 staff in India by 2030. The current employee strength in the country is around 3,000 people.

India is a strategic country and a "key pillar" for Safran's global manufacturing system for both civilian and military equipment, the CEO said.

Besides, Safran will set up a dedicated MRO facility for the M88 engine powering the Dassault Aviation Rafale fighter jet in Hyderabad. The 5,000sq.m. facility represents an investment of over €40 million and will provide MRO services for over 600 engine modules a year and employ up to 150 people at full capacity.

"Prioritizing engines on aircraft operated by the Indian Air Force (IAF), it will also perform MRO for other M88 export customers. India is a long-standing customer for Safran's military engines," the release said.

Recently, India ordered 26 Rafale M naval variants and already operates 36 Rafale and 47 Mirage 2000 fighters.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 27 NOVEMBER 2025

AIRCRAFT ENGINE FACILITY LAUNCHED IN HYDERABAD

Reform-oriented India taking big decisions: PM Modi at Safran event

OUR CORRESPONDENT

HYDERABAD: Highlighting India's investment potential, Prime Minister Narendra Modi on Wednesday said the country is a trusted partner and investors are co-creators.

After virtually inaugurating French major Safran's Maintenance, Repair and Overhaul facility for LEAP engines used in commercial aircraft, in the city, Modi said the facility will also help provide job opportunities for the youngsters.

Asserting that India has decriminalised hundreds of business-related provisions, he underlined that the National Single Window System has brought numerous approvals onto a single platform.

He noted that GST reforms, faceless tax assessment, new labour codes, and the insolvency and bankruptcy code have all made governance simpler and more transparent than ever before.

PM Narendra Modi during the virtual inauguration of the Safran Aircraft Engine Services India facility, in Hyderabad, Telangana PTI

"Because of these efforts, India is now seen as a trusted partner, a major market, and a rising manufacturing hub. India today has rapid growth, a stable government, a reform-oriented mindset, a vast young talent pool, and a large domestic market. And most importantly, for those investing in India, the country considers them not merely as investors but as co-creators, stakeholders in the journey of Viksit Bharat," he said.

In the last few years, India's aviation sector has taken a huge leap and today the country is one of the fastest growing domestic aviation markets in the world, Modi said adding that India's domestic market is the third largest in the world.

As the aspirations of the people of India are on a new level, the demand for air travel in India is continuously increasing prompting Indian carriers to continuously increase their active fleet. India's airline companies have ordered more than 1,500 new aircraft, he said.

With the rapid expansion of India's aviation sector, the need for MRO facilities has also increased, he further said adding that nearly 85 percent of India's MRO work has been taking place outside the country, which led to higher costs, longer turnaround times, and aircraft remaining grounded for extended periods. He said that such a situation was not suitable for a vast aviation market like India. Therefore, the government is developing the nation as one of the world's major MRO hubs, he said.

Referring to the Safran's facility, Modi said now, for the first time, a global OEM is establishing Deep Level Servicing facility in the country.

In addition, the partnership of Team Safran's global training, knowledge transfer and India's institutions will create a workforce that will give a new direction to the entire MRO ecosystem in the coming years, he said adding with the facility, there will be many opportunities for the youth of South India to get employment.

The facility in the city will be operational in 2026.

HIGHLIGHTS

- PM Modi virtually inaugurates French major Safran's Maintenance, Repair and Overhaul facility for LEAP engines used in commercial aircraft
- The facility in the city will be operational in 2026, the PMO had said in statement

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 27 NOVEMBER 2025

PM Modi launches Safran aircraft engine facility in Hyderabad

PRESS TRUST OF INDIA
Hyderabad

Highlighting India's investment potential, Prime Minister Narendra Modi on Wednesday said the country is a trusted partner and investors are co-creators.

After virtually inaugurating French major Safran's Maintenance, Repair and Overhaul facility for LEAP engines used in commercial aircraft, in the city, Modi said the facility will also help provide job opportunities for the youngsters.

Asserting that India has decriminalised hundreds of business-related provisions, he underlined that the National Single Window System has brought numerous approvals onto a single platform.

He noted that GST reforms, faceless tax assessment, new labour codes, and the insolvency and bankruptcy code have all made governance simpler and more transparent than ever before.

"Because of these efforts, India is now seen as a trusted partner, a major market, and a rising manufacturing hub. India today has rapid growth, a stable government, a reform-oriented mindset, a vast young talent pool, and a large domestic market. And most importantly, for those investing in India, the country considers them not merely as investors but as co-creators, stakeholders in the journey of Viksit Bharat," he said.

In the last few years, India's aviation sector has taken a huge leap and today the country is one of the fastest growing domestic aviation markets in the world, Modi said adding that India's domestic market is the third largest in the world.

As the aspirations of the people of India are on a new level, the demand for air travel in India is continuously increasing prompting Indian carriers to continuously increase their active fleet. India's airline companies have ordered more than 1,500 new aircraft, he said.

With the rapid expansion of India's aviation sector, the need for MRO facilities has also increased, he further said adding that nearly 85 percent of India's MRO work has been taking place outside the country, which led to higher costs, longer turnaround times, and aircraft remaining grounded for extended periods.

He said that such a situation was not suitable for a vast aviation market like India. Therefore, the Government of India is developing the nation as one of the world's major MRO hubs, he said. Referring to the Safran's facility, Modi said now, for the first time, a global OEM is establishing Deep Level Servicing facility in the country.

In addition, the partnership of Team Safran's global training, knowledge transfer and India's institutions will create a workforce that will give a new direction to the entire MRO ecosystem in the coming years, Modi said adding with the facility, there will be many opportunities for the youth of South India to get employment.

"And we do not just want to be limited to aviation MRO. We are also working on a very large scale on the MRO ecosystem related to shipping. In addition, we are also promoting design in India on a large scale," the PM said.

Modi said he would like Safran to use India's talent and opportunities for propulsion design and manufacturing, as the country is not just dreaming big, but taking big decisions and achieving even bigger achievements. According to him, the country opened the doors of the economy, secondly strengthened its fundamentals and thirdly made business easier.

"In addition, today 100 per cent FDI is possible in most sectors. In sectors such as defense, where there was no place for the private sector earlier, 74 per cent FDI has been opened automatically. There is also a lot of progress in the space sector," he explained.

The Safran Aircraft Engine Services India (SAESI) facility in the city will be operational in 2026 and will be a major boost for the country's indigenous capabilities in the fast-growing aviation sector, a press release from the Prime Minister's Office (PMO) had said.

The facility, set up with an initial investment of ₹1,300 crore, is for the LEAP (Leading Edge Aviation Propulsion) engines, which power the narrow-body Airbus A320neo and Boeing 737 MAX aircraft.

LEAP engines are manufactured by CFM International, an equal joint venture between Safran Aircraft Engines and GE Aerospace, the release had added.

Designed to service up to 300 LEAP engines annually, SAESI facility will employ over 1,000 highly skilled Indian technicians and engineers upon achieving full operational capacity by 2035, the release issued on Tuesday said. It had also said that developing indigenous capabilities in MRO will reduce foreign exchange outflows, create high-value employment, strengthen supply-chain resilience and position India as a global aviation hub.

Telangana Chief Minister Revanth Reddy, Union Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu, Safran CEO Olivier Andries and others during the inauguration of French major Safran's Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) facility for aircraft engines, in Hyderabad on Wednesday. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 27 NOVEMBER 2025

आईआईटीएफ में विमान पत्तन प्राधिकरण का पवेलियन बना आकर्षण

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : हवाई यात्रा आज भी देश के एक बड़े तबके के लिए स्वप्न ही है और इस यात्रा का रहस्य-रोमांच कमोबेश सभी के लिए कौतुहल का विषय है। इस संबंध में आपकी बहुत सारी जिज्ञासाओं का समाधान इन दिनों भारत मंडपम में जारी 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में मिल सकता है। दरअसल, पहली बार दुनिया के इस मेले में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने भी अपना पवेलियन लगाया है।

हॉल नंबर एक के भूतल स्थित एएआई मंडप शानदार एलईडी आर्चवे के माध्यम से आगंतुकों का स्वागत करता है, जो भविष्य के विमानन ग्राफिक्स से जगमगाता है। देश के आकाश में प्रेरणादायक यात्रा का माहौल तैयार करता है। सपनों की उड़ान जैसी थीम पर आधारित इस पैवेलियन में विमानन क्षेत्र से जुड़े सभी सवालों के जवाब मिल जाते हैं।आगंतुकों को एएआई की प्रमुख

- **लोगों को विमानन क्षेत्र से जुड़े हर सवाल का जवाब मिलता है**

पहलों, जैसे उड़ान योजना, स्टार्टअप नीति, एएआई-रूट एशिया 2025 और भारत का हवाई संपर्क मानचित्र को दर्शाती है।

डिजिटल फ्लिप बुक में हवाई अड्डों को वास्तुशिल्प चमत्कारों के रूप में रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया है, जो क्षेत्र की स्थानीय विरासत को बढ़ावा देती है। इस अनुभव को और भी आकर्षक बनाने के लिए एएआई ने विमानन प्रेमियों के लिए 'एयर क्विज' और एआई-संचालित "सेल्फी जोन" शुरू किया है, जहां आगंतुक पायलटों और एटीसी अधिकारियों से लेकर एयर होस्टेस और दमकल कर्मियों तक विमानन पेशेवरों के डिजिटल अवतार में बदल सकते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA CHENNAI 26 NOVEMBER 2025

DGCA cracks the whip for fatigue mgmt on airlines

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: To ensure only well-rested pilots operate flights, the directorate general of civil aviation (DGCA) has mandated airline schedulers and dispatch staff — responsible for drawing up pilot rosters — to be trained in fatigue management.

Pilots of big Indian carriers have long been complaining about inhumane rosters that lead to stress and thereby affect flight safety.

DGCA chief Faiz Ahmed Kidwai said airlines must have a "fatigue risk management policy, fatigue reporting system, and a system for monitoring flight crew fatigue". Fatigue training will now be a regular feature in the annual ground training of operators to ensure that all rules related to crew flight time duty limitation are followed both in letter and spirit. "The training should be conducted by trained staff," DGCA said.

AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 27 NOVEMBER 2025

After AI crash, DGCA tightens protocols for reporting snags

The Tribune Exclusive

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, NOVEMBER 26

Months after Air India Boeing 787 Dreamliner crashed in Ahmedabad, claiming 260 lives, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has hardened the defect-reporting and airworthiness oversight regime, signalling that long-standing operational gaps in how airlines record, flag and act on technical snags can no longer be tolerated. The updated Civil Aviation Requirement (CAR) draft regulation, rooted in Aircraft Rule 133A, brings sharper accountability to operators and maintenance organisations across the board.

While Rule 60 of the Aircraft Rules, 1937, has always prohibited an aircraft from taking off

regulator is now drawing attention to repeated shortcomings in compliance. The CAR stresses every operator must demonstrate a clear, documented chain of defect recording, investigation and rectification.

WHAT REVISED GUIDELINES SAY

- All airlines, non-scheduled operators, aerial work operators and flying clubs are required to log every defect in the aircraft for probe
- Major defects must be reported immediately to Regional Airworthiness Office. Probe must be completed "at the earliest"
- Records of all defects and rectification must be kept for a year; components linked to major defects must be retained for two weeks

The revised framework redefines critical thresholds. A "major defect" is any fault that "reduces the safety of the aircraft or its occupants", while a "repetitive defect" is

within 15 flight cycles despite attempted rectification. The intent is to push operators to stop relying on short-term fixes and instead identify root causes before they escalate into operational hazards.

As per draft, accessed by *The Tribune*, every defect, "including those occurred due to improper maintenance practices", must be captured either by flight crew or engineering

applies to all scheduled airlines, non-scheduled operators, private aircraft, state aircraft, aerial work operators, flying clubs and approved maintenance organisations (AMOs).

Defects that are major, serious or "attracting public attention" must be reported immediately over telephone to the Regional Airworthiness Office and followed by a written report within 72 hours. Each recorded fault, whether major or otherwise, must feed into the operator's component and system reliability indices, a key measure for tracking the health of fleets.

The CAR mandates daily reviews for scheduled operators, requiring experienced technical personnel to examine defect logs and verify whether rectification has been adequate. For others, periodicity will be fixed in consultation with the RAWO, depending on fleet size and type of operation.

For scheduled airlines, any mechanical delay of 15 minutes or more must be treated as a reportable event and investigated under the supervision of sen-

agement Organisation. Investigations into major defects must be completed "at the earliest possible" and, if they extend beyond a month, progress updates must be sent to the Regional Airworthiness Office.